Ch- आगम की धारणाएं

Q1. औसत आगम, सीमान्त आगम और कुल आगम से आप क्या समझते हैं? औसत आगम और सीमान्त आगम में सम्बन्ध का वर्णन कीजिए।

→ औसत आगम Average Revenue :- औसत आगम से अभिप्राय है उत्पादन की प्रति इकाई बिक्री से प्राप्त होने वाले आगम, इस प्रकार कुल आगम (TR) को बिक्री की गई इकाइयों की संख्या से भाग देने पर औसत आगम (AR) प्राप्त होता है।

$$AR = \frac{TR}{q} = \frac{\text{कुल आगम}}{\text{बिक्री की गई इकाइयाँ}}$$

औसत आगम सदैव वस्तु की प्रति इकाई को व्यक्त करता है।

सीमान्त आगम Marginal revenue :- उत्पादन या फर्म को वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई की बिक्री से जो अतिरिक्त आगम प्राप्त होता है, उसे सिमान्त आगम कहते हैं। इस प्रकार सीमान्त आगम से अभिप्राय है किसी वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई के परिवर्तन से कुल आगम में होने वाला परिवर्तन, दूसरे शब्दों में सीमान्त आगम कुल आगम में परिवर्तन की दर को बताता है,

यदि $TR(n-1) = (n-1)$ ईकाइयों से प्राप्त कुल आगम

तथा $TR_n = n$ इकाइयों से प्राप्त कुल आगम

$MR_n - TR(n-1)$

दूसरे रूप में, $MR = \frac{\Delta(TR)}{\Delta q} = \frac{\text{कुल आगम में परिवर्तन}}{\text{कुल मात्रा में परिवर्तन}}$

कुल आगम Total Revenue :- किसी फर्म का कुल आगम वस्तु की एक ईकाई कीमत तथा कुल

Scanned with CamScanner

विक्रय की गई इकाइयों के गुणनफल द्वारा प्राप्त किया जाता है,
दूसरे शब्दो में, कुल आगम = कुल बिक्री से प्राप्त धनराशि
= बिक्री इकाइयाँ × प्रति इकाई मूल्य

औसत आगम (AR) तथा सीमान्त आगम (MR) के बीच सम्बन्ध
i) यदि AR समान/स्थिर है तब AR = MR (यह दशा पूर्ण प्रतियोगिता में उत्पन्न होती है,
ii) यदि AR घट रहा है, तब AR > MR (यह स्थिति एकाधिकार तथा एकाधिकारी प्रतियोगिता में उत्पन्न होती है कि एकाधिकारी प्रतियोगिता में AR तथा MR की लोच अधिक लोचदार होती है,
iii) MR ऋणात्मक हो सकता है ~~किन्तु~~ परन्तु AR नहीं, औसत लागत (AR) कभी ~~भी~~ ऋणात्मक नहीं हो सकती,

Q2. औसत लागत और सीमान्त लागत के बीच का सम्बन्ध स्पष्ट करें।

→ औसत लागत एवं सीमान्त लागत में ~~सम्बन्ध~~ दोनो की गणना कुल लागत से होती है किन्तु
i) जब औसत लागत (Ac) गिरती है, तब Ac > Mc
ii) जब औसत लागत (Ac) न्यूनतम होती है, तब Ac = Mc
iii) यदि औसत लागत (Ac) बढ़ती है, तब Ac < Mc

Q3. औसत आगम प्रति इकाई कीमत होती है कैसे?

→ औसत आगम (AR) से अभिप्राय वस्तु की बिक्री से विक्रेता को प्राप्त प्रति इकाई आय से है, दूसरी ओर कीमत से आशय है क्रेता द्वारा वस्तु के खरीदने पर किया गया प्रति इकाई भुगतान चूँकि विक्रेता को वही प्राप्त होता है जो क्रेता भुगतान करता है। अतः प्रति इकाई आगम और प्रति इकाई कीमत एक ही बात है।

Scanned with CamScanner

यही कारण है कि औसत आगम AR वक्र और फर्म की वस्तु का माँग - वक्र भी एक ही होता है।

Q4. MR कब शुन्य अथवा ऋणात्मक हो ~~सकती~~ सकती है?

→ एकाधिकार एवं एकाधिकारी प्रतियोगिता की बाजार दशाओं में सीमान्त (MR) शुन्य अथवा ऋणात्मक हो सकता है किन्तु पूर्ण प्रतियोगिता की दशा में यह स्थितियाँ सम्भव नहीं है क्योंकि पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत स्थिर होती है तथा AR = MR होती है, AR कभी शुन्य नहीं होती जिसके कारण पूर्ण प्रतियोगिता में MR कभी शुन्य अथवा ऋणात्मक बाजार दशाओं में

i) कीमत कम होने की ~~कारण~~ दशा में MR शुन्य अथवा ऋणात्मक हो सकता है।

ii) जब MR घटता है तब प्रत्येक अतिरिक्त इकाई की बिक्री से प्राप्त TR में पहले से कम वृद्धि होती जाती है अर्थात TR में घटती दर से वृद्धि होती है।

Q5. पूर्ण प्रतियोगिता के आगम वक्र को समझाएँ।

→ पूर्ण प्रतियोगिता में वस्तु की माँग पूर्णतया लोचदार होती है ($e = \infty$) क्योंकि पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म कीमत प्राप्तकर्ता (Price taker) होती है, उद्योग द्वारा वस्तु की कीमत निर्धारित किया जाता है और इस निर्धारित कीमत को फर्म दिया हुआ मानकर वस्तु की कितनी भी मात्रा का उत्पादन एवं विक्रय कर सकती है, पूर्ण लोचदार माँग वाले पूर्ण प्रतियोगिता बाजार में औसत आगम एवं सीमान्त आगम परस्पर बराबर होता है।

Scanned with CamScanner

सूत्रानुसार

$$AR = MR\left(\frac{e}{e-1}\right)$$

यदि

तब $e = \infty$

$$AR = MR\left(\frac{\infty}{\infty-1}\right)$$

या

$$AR = MR\left(\frac{\infty}{\infty}\right)$$

या

$$AR = MR$$

अर्थात पूर्ण प्रतियोगिता में औसत आगम (AR) तथा सीमान्त आगम (MR) परस्पर बराबर होते हैं तथा यह रेखा X अक्ष के समान्तर एक पड़ी रेखा Horizontal line के रूप में होती है।

Q6. एकाधिकार एवं एकाधिकारी प्रतियोगिता बाजार में AR, TR, MR के सम्बन्ध को समझाए।

Ans

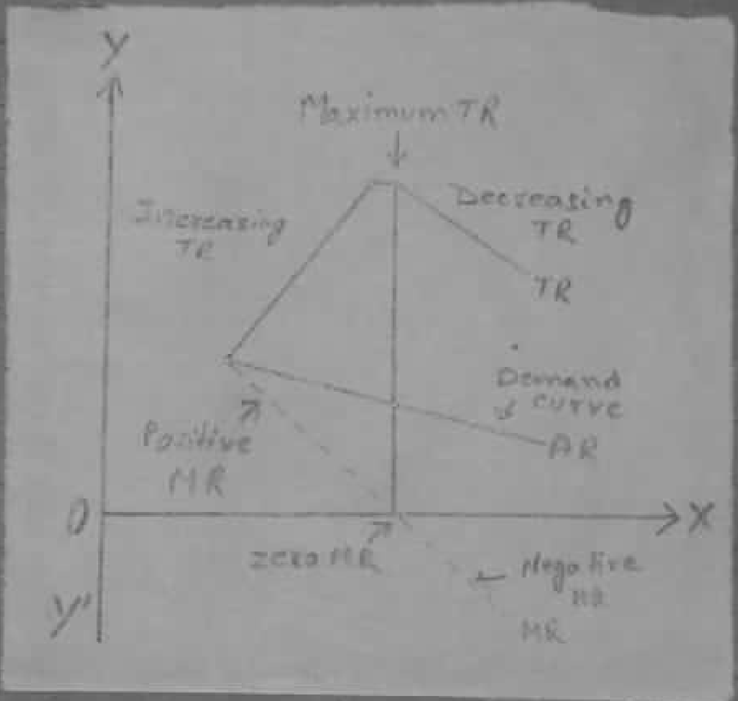

i) बिक्री की पहली ईकाई के लिए औसत आगम (AR) सीमान्त आगम (MR) एवं कुल आगम (TR) परस्पर बराबर होते हैं।

Scanned with CamScanner

ii) जब तक सीमान्त आगम (MR) धनात्मक है कुल आगम (TR) बढ़ता है।

iii) जब सीमान्त आगम (MR) शून्य होता है तब TR अधिकतम हो जाता है।

iv) जब सीमान्त आगम (MR) ऋणात्मक हो जाता है तब TR घटने लगता है।

Scanned with CamScanner